BMSCW LIBRARY
QUESTION PAPER

B.Sc. -HINDI

I Semester End Examination March/April 2022

Katha Kunj, Prayojanmulak Hindi & Sankshepan

Course Code: BSC1AECHIN01 **QP Code: 1112**

Time: 2 hours **Total Marks: 60**

I. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए। **10x1= 10**

1. सावित्री के कितने संतान थे?
2. पंडित शादीराम ने लाला सदानंद से कितने रुपए उधार लिया था?
3. गोपालराव की पत्नी कौन थी?
4. अब्बूखान कहाँ रहते थे?
5.' मुक्ति' लिखिए नाम का कहानीकार के ।कहानी
6. सूर्यास्त देखने के लिए लेखक के साथ कौन चल पड़ी?
7. रत्ना के पलंग पर सोने का मन किसका करता है?
8. खान क्या बेचता था?
9. चुरुट कौन पी रहा था ?
10. नमन कहाँ रहता था?

II. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्ही <u>दो</u> का संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **2x7=14**

1." वक्त अच्छा नहीं अम्मा। बच्चों को ऐसी भीड़-भाड़ में बाहर न भेजा करो।"
2." अरे ,क्या तुझे चारा नहीं मिलता या दाना पसंद नहीं ?बनिए ने घुने दाने मिला दिये हैं? मैं आज ही और दाना लाऊँगा।"
3." बेचारे भटक कर परेशानी में आ गए हैं तो कुछ करना ही होगा। आने दो, यह लोग ऊपर लेटे रहेंगें। हम लोग यहाँ नीचे फूस डाल कर गुज़ारा कर लेंगे।"

BMSCW LIBRARY

III. **किसी एक पाठ का सारांश उसकी विशेषताओं के साथ लिखिए।** **1x16=16**

1. सौभाग्य के कोड़े।

2. अलबम ।

IV. **प्रायोजन्मूलक हिन्दी- (किन्ही दो का उत्तर लिखिए।)**

2x5=10

1. आलेखन किसे कहते हैं? उसके कितने भेद हैं?

2. टिप्पण की परिभाषा देते हुए उसकी विशेषताएँ लिखिए।

3. प्रतिवेदन क्या है? उसके कितने प्रकार हैं?

V. **निम्नलिखित अनुच्छेद का संक्षिप्तीकरण कीजिए और एक उचित शीर्षक दीजिए।** **10**

भारत के लिए लोक अदालत कोई अपरिचित नाम नहीं है। यहाँ पंचों के माध्यम से विवादों के निपटारे की व्यवस्था अत्यंत प्राचीन है। यह हमारी संस्कृति का पहचान चिह्न है , जिसे विश्व के समृद्ध से समृद्ध राष्ट्र हमारी गौरव निधि मानते है। यहाँ पहले जब न्याय पंचायतें नहीं थीं, लोग गाँव के चौपाल पर अपने विवादों का निबटारा किया करते थे। विक्रमादित्य का सिंहासन जिस पहाड़ी टीले के नीचे दबा हुआ था, उस पहाड़ी टीले पर बैठकर जो भी न्याय करता था, वह नीर-क्षीर विवेक का प्रतीत होता था। उसी क्रम में यहाँ धीरे धीरे अदालती प्रथा प्रारम्भ हुई। अदालती प्रथा ने देश में विधि शासन-व्यवस्था की स्थापना की, लेकिन वह औपचारिकताओँ में इतनी जकड़ गयी कि लोग वर्षों तक न्याय के लिए तरसने लगे। न्याय उनके लिए मृगतृष्णा बनती गयी।

.....

BMSCW LIBRARY